छोटी सी थाकि चटी आंगली कईया गिरवर ने उठायो जी

छोटी सी थाकि चटी आंगली,

दोहा – मैं गरजी अर्जी करू,
थे सुणजो दीनानाथ,
आप बिना किसको कहूं,
मैं अंतकरण की बात।

छोटी सी थाकि चटी आंगली,
कईया गिरवर ने उठायो जी,
वा रे सांवरा,
कईया पर्वत ने उठायो जी,
ओ रे सांवरा।bd।

अजब निराली थारी माया,
जादू से भी ऊपर,
निज भगता रे कारण आवो,
गव लोक पे उतर,
सुण जो बलदाऊ के भैया,
जल में डूबी जीवन नैया,
थे विका बण खेवईया,
लौहा रो मजबूत खम्भो,
फाड़ कर कईया नरसिंग रूप,
बणायो जी ओ रे सांवरा।bd।

एक दिन कौरव दुराचारी,
खोठी नियत विचारी,
पकड़ कर लाये द्रोपती नारी,
उने करबू छावे उगाड़ी,
अस्यो काही कामण थाने,
याद थो जी डूंगर साड़ी को,
बणायो जी वारे सांवरा।bd।

नानी बाई को भरयौ मायरो,
मीरा को जहर बचायो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना कनेक्शन के ऑफलाइन मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बास्यो खीचड़ खायो,
कबीरा के घर बालद लायो,
नाम दवरो छपरो छायो,
डूबती नैया मारी तार ज्यो जी,
थाने धन्नो भगत,
बुलावे जी वारे सांवरा।bd।

छोटी सी थाकी चटी आंगली,
कईया गिरवर ने उठायो जी,
वा रे सांवरा,
कईया पर्वत ने उठायो जी,
ओ रे सांवरा।bd।

गायक – किशन सोनगर।
प्रेषक – विनु सोनगर।
7023805071

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com